विषय– संस्कृत कक्षा– स्नातक स्तर

प्रोग्राम आउटकम्स

- विद्यार्थियों को लेखन वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत कुशलता प्राप्त होगी ।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।
- नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

प्रोग्राम स्पेसिफिक आउटकम्स

- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने समझने के योग्य होंगे।
- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य पद्य नाटक व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत मर्मज्ञ बन सकेंगे। संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन लेखन एवं उच्चारण माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
- आयुर्वेद वास्तुशास्त्र ज्योतिष नित्य नैमित्तिक कर्मकांड इतिहास के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तदिनहित नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने में सक्षम होंगे।
- धर्म दर्शन आचार व्यवहार नीतिशास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्व को जानकर उत्तम चरित्रवान मानव कुशल नागरिक बनेंगे ।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।

स्नातक प्रथम वर्ष। प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड–A020101T प्रश्न पत्र का नाम– संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण।

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

Head of the Dept

IQAC

प्राचार्य
स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह
Principal

Learning Outcome

- नवीन बिंब विधान और नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- आधुनिक संस्कृत साहित्य के बाल साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।
- आधुनिक संस्कृत साहित्य में निहित उद्देश्य ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

डॉ प्रभात कुमार सिंह
विभाग प्रभारी संस्कृत
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार मीरजापुर

- स्वाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।
- व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।

चतुर्थ सेमेस्टर

- प्रश्नपत्र कोड– A020401T प्रश्न पत्र शीर्षक– **काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल**

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।
- संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे ।
- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।
- संस्कृत पत्र लेखन कौशल में वृद्धि होगी अपठित अंश के माध्यम से विषय वस्तु अबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा।

स्नातक तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड– A020501T प्रश्न पत्र शीर्षक– **वैदिक वांग्मय एवं भारतीय दर्शन**

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- वैदिक वागम एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- वैदिक एवं उपनिषद्धिक संस्कृति के प्रति गौरव दिशा होगा वेदोक्त संदेशों एवं मूल्य के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरणकरण होगा।
- उपनिषद का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
- वैदिक एवं उपनिष अधिक संस्कृति के प्रति गौरवबोध होगा।
- वैदिक सूक्त के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निर्देशन होगा।

षष्ठ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड– A020601T प्रश्न पत्र का शीर्षक– **आधुनिक संस्कृत साहित्य**

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- आधुनिक संस्कृत कवियों से सुपरिचित होंगे।

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न अंगों से परिचित हो सकेंगे वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्य बोध कर सकेंगे। उनमें काफी में प्रयुक्त रस छंद अलंकार ओं को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित शक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर इसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- स्वर व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र कोड A020201T

प्रश्न पत्र का नाम– **संस्कृत गद्य साहित्य अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग।**

अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)

- विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर गद्य काव्य के भेद से सुपरिचित हो सकेंगे।
- राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे ।
- अनुवाद कौशल में वृद्धि होगी।
- संस्कृत गद्य की धारा प्रवाह एवं शुद्ध वचन का कौशल विकसित होगा।
- विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकते में सक्षम होंगे।
- ई कंटेंट एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपभोग कर पाने में समर्थ होंगे।
- संगणक की प्रयोग के माध्यम से संस्कृत ज्ञान के प्रचार प्रसार एवं आदान–प्रदान करने में कुशल बनेंगे।

स्नातक द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड– A020301T प्रश्न पत्र शीर्षक– **संस्कृत नाटक एवं व्याकरण**

- **अधिगम उपलब्धि (कोर्स आउटकम्स)**
- संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस छंद एवं अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे।